सभी प्रकार की सरकारी सहायताओं से मुक्त, खोजी पत्रकारिता का तेज बढ़ता अखबार

दैनिक

themovementofindia.in

द मूवमेंट ऑफ़ इंडिया

RNI No. RAJHIN/2012/48876
पोस्टल पंजीयन नं. भीलवाड़ा / 2025-2027

खोजी खबरें-तेज नजरें

प्रेरणा स्रोत - स्व. चुन्नीलाल सालवी

ये अखबार ही नहीं क्रांति का अभियान है। मानवता एवं लोकतंत्र का सजग प्रहरी, ये दुष्टों की मौत का सामान है।

वर्ष - 13 अंक -350 | 27 मई 2025,मंगलवार | संपादक - दयाराम दिव्य | सहसंपादक - चाहत सालवी | मूल्य - 2 रू.

डोटासरा बोले- ऐसी निर्लज्ज, निकम्मी सरकार नहीं आई:ब्यूरोक्रेसी और बीजेपी नेता दोनों हाथों से लूटने में लगे हैं

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि इस सरकार में पूरी तरह ब्यूरोक्रेसी हावी है। भ्रष्टाचार का तांडव नृत्य कर रही है। नीचे से लेकर ऊपर तक ब्यूरोक्रेसी के लोग और बीजेपी नेता दोनों हाथों से लूटने में लगे हुए हैं। जनता की समस्याओं पर इनके कान में जूं तक नहीं रेंग रही है। इन्हें अपनी कुर्सी बचाने से मतलब है, इसके अलावा कोई मतलब नहीं है।

डोटासरा प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

डोटासरा ने कहा- इतनी निष्क्रिय, निर्लज और निकम्मी सरकार आज तक कभी नहीं आई। पहले बीजेपी की भी सरकारें रहीं। कांग्रेस की सरकारें रहीं। लेकिन इतनी अनिर्णय की स्थिति देश के इतिहास में कभी नहीं रही। डेढ़ साल में ये एसआई भर्ती पर फैसला नहीं कर पाए कि भर्ती निरस्त होगी या नहीं होगी। ये कह रहे हैं, एक लाख को नौकरी दे देंगे। इनको नौकरी दी हुई, उनके बारे में निर्णय नहीं कर पा रहे हो। जयपुर की ज्वेलरी फैक्ट्री में सीवर लाइन में उतारे गए चार मरीजों की

मौत पर डोटासरा ने कहा- हमारी सरकार के वक्त सीवरेज की सफाई के लिए रोबोटिक मशीनें खरीदी गई थीं। इस सरकार ने उन्हें गायब कर दिया, कह रहे हैं समीक्षा कर रहे हैं। ये 800 कामों की समीक्षा कर रहे हैं। समीक्षा करते-करते डेढ़ साल तो हो गया। अब तक कोई रिजल्ट नहीं आया। डोटासरा ने कहा- हाईकोर्ट ने पहली बार किसी सरकार के परिसीमन पर सवाल उठाकर स्टे लगाया है। सैकड़ों की याचिकाओं को स्वीकार करते हुए इनके राजनीतिक आधार पर किए जा रहे पुनर्गठन पर रोक लगाई है। जवाब मांगा है। परिसीमन पर कभी स्टे नहीं आया, लेकिन इन्होंने केवल राजनीतिक दुर्भावना से परिसीमन करके मापदंडों को ताक पर रखा दिया। बीजेपी कैसे जीते और कांग्रेस कैसे हारे, इसी पर परिसीमन किया। डोटासरा ने कहा- अब आप किस मुंह से तिरंगा यात्रा निकाल रहे हो। जब युद्ध चल रहा था, तब कांग्रेस ने तिरंगा यात्रा निकाली। ताकि सेना का मनोबल ऊपर रहे। ट्रंप के दबाव में आकर सीजफायर कर दिया। जबकि रक्षा मंत्री से लेकर कई मंत्री संसद में कहते थे कि पीओके लेकर रहेंगे। जब सारी पार्टियां सरकार के साथ खड़ी थीं। तब सरकार ने अकेले में सीजफायर का निर्णय क्यों किया। संसद का एक सत्र बुलाना चाहिए। पीएम मोदी सेना के शौर्य के पीछे छुपकर राजनीतिक रोटियां सेकना चाहते हैं

सरकार ही राम भरोसे चल रही है

डोटासरा ने कहा- यह सरकार ही राम भरोसे चल रही है, कोई पूछने वाला नहीं है। लोगों की मौतें हो रही है। माफिया हावी हो रहे हैं। माफिया लोगों को पीट रहे हैं। एसआई भर्ती पर ये डेढ़ साल से कोई फैसला नहीं कर पा रहे हैं। पहले तो इन्होंने ऐसा वातावरण बनाया कि 400-500 एसआई फर्जी हैं। कल हाईकोर्ट में जाकर कहते हैं 50-55 ही गलत हैं। बीजेपी ने चुनाव जीतने के लिए जो माहौल बनाया, उससे युवाओं, बेरोजगारों के साथ धोखा किया। डोटासरा ने कहा- आज भी राजस्थान की जनता वास्तविकता जानना चाहती है कि एसआई भर्ती रद्द करोगे या नहीं करोगे? नहीं करोगे तो नियुक्ति कब देंगे, निरस्त करेंगे तो कब वापस एग्जाम करवाएंगे? जो एसआई सही तरीके से लगे हैं। उनके लिए आपकी क्या व्यवस्था होगी? लगता है पर्ची ऊपर से आई नहीं इसलिए फैसला नहीं कर पा रहे। जब तक दिल्ली से पर्ची नहीं आ जाती, तब तक को निर्णय लेते नहीं है। मुख्यमंत्री अभी दिल्ली घूम रहे हैं, कभी देव दर्शन यात्रा पर निकल जाते हैं। विभागों को रिव्यू के नाम से टाइम पास करते हैं। लेकिन रिजल्ट क्या आ रहा है, जनता को क्या मिलता है। गर्मी में पानी बिजली नहीं मिल रही है।

कोर्ट की दीवार फांदकर भागे चोरी के दो आरोपी

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

कोर्ट में पेशी पर लाए गए चोरी के दो आरोपी दीवार फांदकर फरार हो गए। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन दोनों भाग गए। मामला मांडलगढ़ कोर्ट का है।

कोर्ट की दीवार फांदकर फरार

दरअसल, बीगोद थाने के पुलिसकर्मी चोरी के दो आरोपियों को मांडलगढ़ कोर्ट में पेशी के लिए लेकर आए थे, जज के सामने पेश करने पर पहले दोनों आरोपी कोर्ट की दीवार फांदकर फरार हो गए। पुलिसकर्मियों ने उन्हें पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन दोनों हाथ नहीं आए और भाग निकले। दोनों आरोपियों के फरार होने की सूचना पर पुलिस में हड़कंप मच गया।

जगह-जगह कराई नाकाबंदी

आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने जगह-जगह नाकाबंदी कराई है और पुलिस उन्हें तलाश कर रही है। फिलहाल दोनों का कोई पता नहीं चल पाया है।

सीकर में झील सूखी, उमस ने किया बेहाल! राजस्थान में गर्मी,उमस का प्रकोप

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

राजस्थान में एक बार फिर मौसम ने करवट ली है। प्रदेश के 16 जिलों में आगामी तीन दिनों तक आंधी और बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं दूसरी ओर, चार जिलों में भीषण गर्मी का कहर जारी रहेगा। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में जहां एक ओर कुछ क्षेत्रों में बादल और बारिश से राहत मिलेगी, वहीं दूसरी ओर कई जिलों में लू और हीटवेव लोगों को परेशान कर सकती है। सोमवार को प्रदेश के कई हिस्सों में उमस ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया। ह्यूमिडिटी लेवल 60 से 80 फीसदी तक दर्ज किया गया, जिससे गर्मी की चुभन और अधिक महसूस की गई। जयपुर, सीकर, अलवर, डूंगरपुर, सिरोही, चूरू, नागौर सहित कई शहरों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे रहा, लेकिन उमस के कारण राहत नहीं मिल पाई। जयपुर में अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि, आसमान में हल्के बादल छाए रहने और शाम को कुछ क्षेत्रों में बूंदाबांदी से थोड़ी राहत जरूर मिली। कोटा, उदयपुर और सिरोही जैसे जिलों में भी बादलों की आवाजाही और हल्की बारिश का असर देखा गया।

सोमवार को प्रदेश में सबसे ज्यादा गर्मी बाड़मेर में दर्ज की गई, जहां अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री सेल्सियस रहा। तेज गर्म हवाओं के कारण दिनभर गर्मी का अहसास बना रहा। वहीं जैसलमेर में मंगलवार सुबह से ही हीटवेव का असर देखा गया। सुबह 9 बजे ही तापमान में तेजी आ गई और लोग चिलचिलाती धूप से परेशान नजर आए।

उदयपुर, सीकर में राहत और परेशानी दोनों

उदयपुर और आसपास के क्षेत्रों में बादलों की मौजूदगी ने गर्मी से कुछ हद तक राहत दिलाई, लेकिन उच्च आर्द्रता ने लोगों को बेचैन कर दिया। मौसम विभाग ने साफ किया है कि अगले तीन दिनों तक मौसम में अस्थिरता बनी रहेगी। दिन के समय तेज धूप और लू चलेगी, जबकि शाम को आंधी और बारिश की संभावना जताई गई है। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी गई है।

कार-ट्रक की टक्कर में दो भाइयों समेत 3 की मौत:गाड़ी में बुरी तरह फंस गए शव

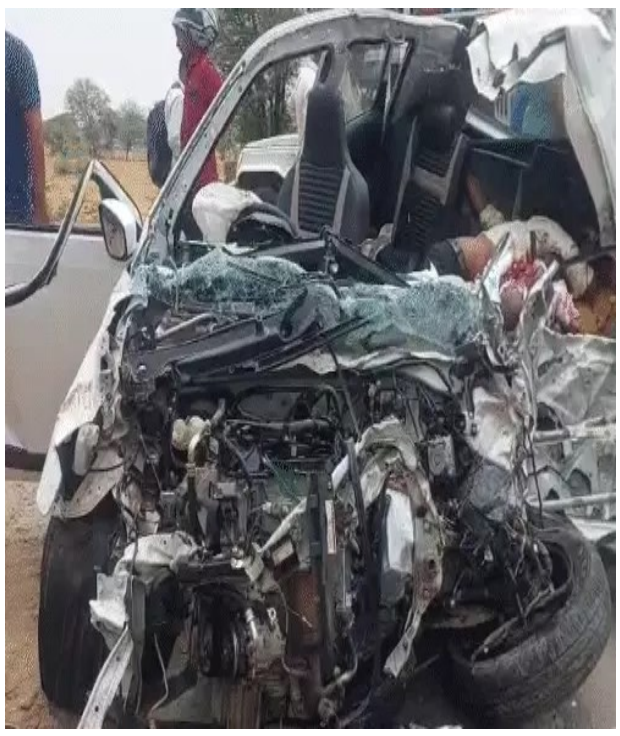

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

जयपुर में ट्रक-कार की आमने-सामने की टक्कर में दो भाइयों समेत 3 की मौत हो गई। दो युवक गंभीर घायल हो गए। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार सवार बुरी तरह से फंस गए। बड़ी मशक्कत के बाद उन्हें निकाला गया।

एक्सीडेंट मनोहरपुर-दौसा नेशनल हाईवे-148 पर रायसर थाना क्षेत्र में रतनपुरा गांव के पास मंगलवार दोपहर 2.45 बजे हुआ। कार सवार लोग रायबरेली (उत्तरप्रदेश) के रहने वाले थे।

एएसपी जयपुर ग्रामीण नारायण लाल तिवाड़ी ने बताया- कार सवार युवक खाटूश्यामजी के दर्शन करने के लिए जा रहे थे। कार ओवर टेक करने के दौरान सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। कार सवार अजय यादव, उसका भाई अभय यादव और आकाश यादव की मौत हो गई। वहीं, शिवम मौर्य और शुभम शर्मा गंभीर घायल हो गए, जिनका निम्स अस्पताल में इलाज चल रहा है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। युवक कार में बुरी तरह फंस गए। हादसे के बाद आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे। आधे घंटे की मशक्कत के बाद कार में फंसे शवों और घायलों को बाहर निकाला गया। हादसे के बाद ड्राइवर ट्रक को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। इस बीच, पुलिस और हाईवे पेट्रोलिंग टीम के देरी से पहुंचने पर स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने हंगामा करते हुए पुलिस को खरी-खोटी सुनाई। युवकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। पुलिस ट्रक ड्राइवर की तलाश जारी है।

नेशनल हाईवे पर रोडवेज बस-ट्रेलर की टक्कर, 3 की मौत:27 यात्री घायल; जयपुर से दिल्ली जा रही थी बस

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

नेशनल हाईवे-48 पर हरियाणा रोडवेज की बस और ट्रेलर की टक्कर में 2 महिला सहित तीन की मौत हो गई। 27 यात्री घायल हो गए। हादसा मंगलवार दोपहर करीब 1:30 बजे कोटपूतली में आंतेला पुलिया के पास हुआ।

पुलिस के अनुसार, हाईवे पर खड़े ट्रेलर को हरियाणा रोडवेज की तेज रफ्तार बस ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का ड्राइवर साइड का पूरा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

सूचना पर पुलिस, एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। बस का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होने से यात्रियों को निकालने में काफी

समय लगा। भाबरू थाना क्षेत्र में आंतेला पुलिया के पास हुए हादसे में घायलों को अलग-अलग हॉस्पिटल लेकर गए। 20 घायलों को पावटा उपजिला अस्पताल लाया गया, जहां 3 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया।

इनमें शकीरा पत्नी कादिर खां निवासी बुलंदशहर (उत्तर प्रदेश), रजिया खातून पत्नी मोहम्मद सुलेमान निवासी बेगूसराय (बिहार) और सुनील जैन शामिल थे। शव हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाए हैं। 2 गंभीर घायलों को निम्स हॉस्पिटल रेफर किया है, जबकि 15 घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। उधर, 6 अन्य घायलों का आंतेला सीएचसी और 2 का शाहपुरा उप जिला हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। 2 घायल प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज के लिए गए। पावटा उपजिला अस्पताल में भर्ती घायल मोहम्मद सुलेमान ने बताया- बस बहुत तेज रफ्तार में थी। खड़े ट्रेलर के बेहद करीब से गुजरते समय हादसा हो गया। कई लोगों को गंभीर चोटें आई हैं।

सुलेमान ने बताया-मैं जयपुर से धारूहेड़ा (हरियाणा) जा रहा था। मेरे साथ बेटा, बेटी, मां और पत्नी भी थीं। इस हादसे में मेरी पत्नी रजिया खातून की मौत हो गई। परिवार के तीन अन्य सदस्य घायल हैं, जिन्हें इलाज के लिए जयपुर भेजा गया है।

सम्पादकीय

बांग्लादेश को मोहरा बना सकता है पाकिस्तान

जब से शेख हसीना बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद से हटाई गई हैं, तब से बांग्लादेश की आंतरिक परिस्थितियां विषम ही बनी हुई हैं। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार न तो राजनीतिक स्थिरता बहाल कर पाई है और न ही हिंदू एवं अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित कर पाई है। विदेश नीति के मोर्चे पर यूनुस और उनकी टीम सत्ता में बने रहने के लिए बांग्लादेश को चीनी और अमेरिकी हितों के बीच बड़े भू-राजनीतिक टकराव का मंच बनाने में लगी है। जब यूनुस सत्तासीन हुए तब यही आम धारणा बनी थी कि अमेरिका की शह पर ऐसा संभव हुआ। यूनुस उस समय अमेरिका की डेमोक्रेट सरकार के चहेते समझे जाते थे और

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय नेटवर्क में अपनी पैठ के बल पर उन्होंने जो बाइडन की डोनाल्ड ट्रंप के विरुद्ध चुनाव में वित्तीय सहायता भी की थी। इसे लेकर ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से नाराजगी भी जताई थी। जब ट्रंप सत्ता में लौटे तो यूनुस ने खुद को उपेक्षित महसूस किया। भारत से वह पहले ही तनातनी बढ़ा चुके थे। हालात भांपकर अपनी सत्ता कायम रखने के लिए यूनुस ने चीन का सहारा लिया और बांग्लादेश के इतिहास में वह पहले राष्ट्र प्रमुख बने, जिसने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को न चुनकर चीन को चुना। चीन दौरे पर यूनुस ने वह सब कहा, जिससे चीन खुश हो और भारत असुरक्षित महसूस करे। उन्होंने इशारों में यहां तक कहा कि बांग्लादेश इस स्थिति में है कि पूर्वोत्तर भारत का संपर्क शेष भारत से काट सकता है और इस क्षेत्र में वह समुद्र का अकेला पहरेदार है। उनका इशारा संवेदनशील चिकन नेक या सिलिगुड़ी कारिडोर को लेकर था। यह पट्टी पूर्वोत्तर को शेष भारत से जोड़ती है। इस कारिडोर के उत्तर में चीन ने बड़े पैमाने पर सैन्य तैनाती कर रखी है।

प्रधान संपादक - दयाराम दिव्य

पिता की स्मृति में राहगीरों को पिलाया खसखस का

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाड़ा। नौतपा की भीषण गर्मी में आमजन को राहत देने तथा पिता की स्मृति को चिरस्थाई करने के उद्देश्य से पन्नाधाय सर्किल स्थित दौलत दुग्ध एजेंसी के अशोक टहिलानी ने अपने पिता की सातवीं पुण्यतिथि पर आमजन एवं राहगीरों को तपती गर्मी में राह चलते लोगों को रोक-रोककर खसखस का ठंडा और मीठा जल पिला कर लगभग चार हजार से भी अधिक लोगों के कंठों को तर किया।

उक्त जानकारी देते हुए अशोक कुमार टहिलानी ने बताया कि उनके पिता स्वर्गीय दौलत राम टहिलानी भी अपने पुरखों की स्मृति में कुछ न कुछ जनहितार्थ कार्य किया करते थे मैंने भी उन्हीं के पदचिन्हों पर चलने का एक छोटा सा प्रयास किया है। इस आयोजन से मुझे आत्मिक शांति मिली है वहीं इस भीषण तपती गर्मी में आम राहगीरों को भी कुछ हद तक राहत मिली है। इस जनहितार्थ कार्य में भाजपा प्रताप मंडल अध्यक्ष अनिल सिंह जादौन, उपाध्यक्ष शम्भू लाल वैष्णव, पार्षद नरेश जाट, पार्षद गौरव इंदू टांक, पार्षद किशन नैना व्यास, गिरिराज गहलोत, अभिषेक त्रिवेदी, समाजसेवी भगवान सामतानी, राम कुमार वैष्णव, रोहित टहिलानी, मयंक टहिलानी, मनीष सुथार, किशु, अभिषेक, रवि, गेहरीलाल, रतनलाल प्रजापति आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रेस नोट भीलवाडा के वार्ड 25 मे सडक टुटी हुई है ओर चारो तरफ कचरा ही कचरा हो रहा हे आम आदमी पार्टी के राकेश पाल ने इस समस्या के समाधान की मांग की

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाडा ! आम आदमी पार्टी के नेता राकेश पाल ने बताया कि भीलवाडा के वार्ड नं 25 मे लगभग 15 से 20 दिन पहले सडक की खुदाई की गई लेकिन इस कार्य को अब शायद ठंडे बस्ते मे डाल दिया गया है कार्य अभी रुका हुआ है मुख्य सडक टुटी होने के कारण यहा दिन मे तो कम लेकिन रात मे अक्सर एक या एक से अधिक दुर्घटना जरूर घटीत होती है प्रशासन,पार्षद,विधायक इस पर ध्यान देवे देश की रक्षा के लिये हमारे पास एक विश्व स्तरीय नेता और सैना दोनो मोजूद है लेकिन देश के अन्दर के प्रशासन पर शायद ट्रिपल इंजन की भाजपा सरकार फेल होती दिख रही है उदाहरण आपके सामने है भीलवाडा मे भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार द्वारा मोदी जी के स्वच्छ भारत अभियान का मखोल उडाया जा रहा हे आम आदमी पार्टी भीलवाडा के राकेश पाल ने वार्ड 25 मे टुटी हुई सडक को व कचरे को जल्द से जल्द ठीक करवाने की मांग की

पिवनिया तालाब स्थित शनि देव मंदिर में धूमधाम से मनाया गया शनि देव का जन्मोत्सव

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

शाहपुरा! शाहपुरा पिवनिया तालाब स्थित शनि देव मंदिर में मंगलवार, अमावस्या के शुभ अवसर पर शनि देव जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए श्री राम मन्दिर के पुजारी सीताराम बाबा, पंडित सुनील भट्ट व शनि देव मन्दिर के पुजारी जगदीश जोशी के सान्निध्य में यह विशेष आयोजित किया गया। जिसमें पुजारी जगदीश जोशी व रामकुमार जोशी समिति के सदस्यगण और स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

निर्णय के अनुसार, मंदिर को विशेष रूप से सजाया जाएगा। दिन में 11-15 बजे शनि देव का तेल अभिषेक किया गया उसके पश्चात महा आरती का आयोजन किया गया।महिला मंडल की सदस्याएं ने इस अवसर पर भजन प्रस्तुत किये एवं सभी पुरुष व महिलाओ ने चिड़ियों के लिए पानी के परिंडे भी लगवाए। कार्यक्रम के अंत में सभी भक्तगण को प्रसाद वितरण किया गया। इस शनिदेव के जन्मोत्सव कार्यक्रम में शनिदेव मन्दिर के पुजारी पण्डित जगदीश जोशी,राम कुमार जोशी,श्री राम मन्दिर के पुजारी सीताराम बाबा,मुकेश जोशी,प्रदीप शर्मा, सुनील भट्ट, शंकर जोशी,भाजपा नगर मण्डल अध्यक्ष पंकज सुगन्धी, भाजपा महामंत्री राजाराम पोरवाल,पुर्व नगर मण्डल अध्यक्ष रमेश मारु, पुर्व पार्षद मोहन गुर्जर, पुर्व एस सी मोर्चा नगर महामंत्री राजेन्द्र खटीक,विशाल जोशी,कान्हा कहार व विकाश जोशी आदि उपस्थित रहे।

सभी भक्तों ने शनि देव के दिव्य दर्शन किया और सीताराम बाबा से आशीर्वाद लिया।

28 मई को ब्लैक डे पर स्वेछिक सम्पूर्ण शाहपुरा सुबह से शाम तक बन्द रहेगा और निकलेगी वाहन रैली

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

सुरज वर्मा

शाहपुरा में 28 दिसंबर 2024 को सरकार द्वारा शाहपुरा के जिले के दर्जे को समाप्त करने के विरोध में अभिभाषक संस्था शाहपुरा के बैनर तले शाहपुरा जिला बचाओ संघर्ष समिति के तत्वाधान में शाहपुरा को वापस जिले का दर्जा देने की मांग को लेकर आंदोलन जारी है । संघर्ष समिति महासचिव कमलेश मुंडेतिया बताया कि जिला बचाओ आंदोलन के तहत 28 मई को ब्लैक डे पर संपूर्ण शाहपुरा सुबह से लेकर शाम तक स्वैच्छिक बंद रहेगा। संघर्ष समिति एवं आमजन द्वारा 28 मई ब्लैक डे को सुबह 9-00 बजे त्रिमूर्ति चौराहे पर बाहरठ स्मारक पर शहीदों को माल्यार्पण किया जायेगा उसके बाद महलों के चौक शाहपुरा मे शांतिपूर्ण नारेबाजी कर बालाजी जी की छतरी से कलीजरी गेट फुलिया गेट तहनाल गेट सदर बाजार रामद्वारा होकर उमेद सागर चौराहा नए बसस्टैंड से त्रिमूर्ति चौराहा पहुंच ऑपरेशन सिंदूर पर भारतीय सेना के सम्मान में देशभक्ति के नारे लगाए जाएंगे।

28 मई को पांचवा ब्लैक डे संघर्ष समिति द्वारा व्यापारी विद्यार्थी खिलाड़ी किसान मजदूर सहित आमजन की जनभावनाओं के अनुसार शांतिपूर्ण वाहन रैली निकालकर नारेबाजी कर प्रदर्शन कर मनाया जाएगा । राज्य सरकार तक शाहपुरा जिले की बहाली की मांग पहुंचाने के लिए दोपहर में उपखंड अधिकारी शाहपुरा को राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया जाएगा । ब्लैक डे पर संघर्ष समिति अध्यक्ष दुर्गा लाल राजोरा संयोजक राम प्रसाद जाट महासचिव कमलेश मुंडेतिया ने आमजन से शाहपुरा बंद को सफल बनाने की अपील की।

पेयजल व विद्युत आपूर्ति निर्बाध रखना सुनिश्चित करें विभागीय अधिकारी- जिला कलेक्टर

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाडा। जिला जसमीत सिंह संधू ने कहा कि गर्मी के इस मौसम में शहर सहित संपूर्ण जिले में पेयजल व विद्युत आपूर्ति निर्बाध रखना सुनिश्चित करें। पीएचईडी विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में भी नियमित अंतराल में पेयजल आपूर्ति करे, कही पाइपलाइन के लीकेज है तो उन्हें दुरुस्त करने का कार्य करे साथ ही विद्युत की आपूर्ति भी निर्बाध रहे एवं आमजन द्वारा इस संबध में शिकायत प्राप्त होते ही त्वरित रूप से निस्तारण करना सुनिश्चित करें। जिला कलेक्टर मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में विभागीय अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे।

उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत नल से जल कनेक्शन की जानकारी ली। शिक्षा व चिकित्सा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि समस्त विद्यालयों व चिकित्सा संस्थानों में शत प्रतिशत नल कनेक्शन करवा दिए गए हैं। जिला कलेक्टर ने शेष रही आंगनबाड़ियों में भी जल्द पेयजल कनेक्शन करने को कहा। जिला कलेक्टर ने चिकित्सा विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए यूडीआईडी कार्ड, आभा व आयुष्मान कार्ड के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर जल्द ऑनलाइन अपडेट करने व कार्ड वितरित करने के निर्देश दिए। श्री संधू ने ई-फाइल, ई -डाक व संपर्क पोर्टल के लंबित प्रकरणों का भी समय रहते प्रभावी डिस्पोजल करने, नगर निगम के अधिकारियों को जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र की लंबित पेंडेंसी के निस्तारण के निर्देश दिए । साथ ही आगामी समय में शुरू होने वाले हरियालो राजस्थान के अभियान की तैयारियां शुरू करने हेतु निर्देशित किया । जिला कलेक्टर ने समस्त विभागो के कार्यों की प्रगति की बारीकी से समीक्षा कर बेहतर प्रगति हेतु निर्देशित किया। बैठक में प्रशिक्षु आईएएस मेधा, जिला परिषद सीईओ श्री चंद्रभान सिंह भाटी, नगर विकास न्यास के ओएसडी श्री चिमनलाल सहित समस्त विभागों के जिला स्तरीय अधिकारीगण मौजूद रहे

नगर काँग्रेस कमेटी ने पण्डित जवाहरलाल नेहरू को दी श्रधांजलि

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

शाहपुरा! भारत रत्न,स्वतन्त्रता से संग्राम के महानायक ,भारत के प्रथम प्रधानमंत्री एवं आधुनिक भारत के निर्माता पण्डित जवाहरलाल नेहरु की पुण्यतिथि नगर व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शाहपुरा द्वारा भाणा गणेश मन्दिर के सामने पण्डित नेहरू की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रधांजलि दी गई।पुष्पांजलि कार्यक्रम में पीसीसी सदस्य संदीप जीनगर ,नगर कांग्रेश अध्यक्ष बाल मुकन्द तोषनीवाल,पुर्व नगर अध्यक्ष राजेन्द्र चौधरी,वरिष्ठ नेता राज कुमार बैरवा,वरिष्ठ पुर्व पार्षद रमेश सेन,प्रभु सुगन्धी,सद्दीक पठान,वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश शर्मा,गोविंद राम बिरला,मदन गोपाल सर्वा,पुर्व युथ कांग्रेस अध्यक्ष अतुल त्रिपाठी, इकबाल रंगरेज लियाकत देशवाली, रजत जैन,विपुल जैन, गोविंद वैष्णव,देवराज जांगिड़, देवराज गाडरी,शिबू कोली, दिनेश गाडरी व मनीष गाडरी आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव क्यों रुका है!

यह लाख टके का सवाल है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव क्यों रूका है? अभी तो कहा जा रहा है कि पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर की वजह से चुनाव टल गया है। अगले महीने केंद्र सरकार के एक साल पूरे हो रहे हैं और इसके साथ ही जेपी नड्डा को राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री की दोहरी जिम्मेदारी निभाते हुए भी एक साल हो जाएंगे। उससे पहले उनको छह महीने का कार्यकाल विस्तार मिला था। उसके बाद से ही किसी न किसी बहाने चुनाव टल रहा है और अब यह यक्ष प्रश्न बन गया है कि प्रदेशों में भाजपा संगठन का चुनाव नहीं हो पा रहा है इसलिए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव टल रहा है या राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम पर सहमति नहीं बन पा रही है इसलिए प्रदेशों में चुनाव संपन्न नहीं कराए जा रहे हैं? कहा जा रहा है कि प्रदेशों में चुनाव हो जाएगा उसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव टालना संभव नहीं होगा। इसलिए वहां चुनाव रोका गया है। अगर ऐसा तो फिर सवाल है कि ऐसी क्या मुश्किल हो गई है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम पर सहमति ही नहीं बन पा रही है? नितिन गडकरी से लेकर राजनाथ सिंह और अमित शाह से लेकर जेपी नड्डा तक अध्यक्ष चुनने में भाजपा को कभी भी परेशानी नहीं हुई। इस बार ऐसा क्या हो रहा है कि नाम ही तय नहीं हो पा रहा है? इस बात में ज्यादा दम नहीं लग रहा है कि राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ चाहता है कि शिवराज सिंह चौहान राष्ट्रीय अध्यक्ष बनें और नरेंद्र मोदी व अमित शाह ऐसा नहीं चाहते हैं इसलिए फैसला अटका है। इस बीच मनोहर लाल खट्टर से लेकर धर्मेंद्र प्रधान और सुनील बंसल तक के नाम की चर्चा चल रही है। ऐसा लग रहा है कि भाजपा का नेतृत्व अध्यक्ष पद और उसके चुनाव को एक साधारण परिघटना बनाने में लगा हुआ है। अभी तक यह एक बड़ा इवेंट होता था, जिसमें संघ की भूमिका और दूसरी कई चीजों की चर्चा होती है। पिछले एक साल में कामचलाऊ अध्यक्ष रख कर अध्यक्ष के चुनाव को एक साधारण या गैर जरूर इवेंट बना दिया गया है।

मई में यमुना ज्यादा गंदी हो गई

दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बने तीन महीने हो गए हैं। हालांकि तीन महीना बहुत समय नहीं होता है, जो कहा जाए कि सरकार अपने लक्ष्यों को हासिल करने में विफल रही है। लेकिन कम से कम तीन महीने में जो लक्षण दिखने चाहिए थे वह नहीं दिख रहा है। चारों तक अव्यवस्था का आलम है। बारिश का महीना शुरू होने वाला है और अभी तक नालों की सफाई यानी गाद निकालने का काम पूरा नहीं हुआ है। स्कूलों की बढ़ी हुई फीस के कारण अभिभावक नाराज हैं तो बिजली का बिल बढ़ाने का फैसला होने से लोग चिंता में हैं। इस बीच खबर है कि जिस यमुना की सफाई को लेकर इतना हल्ला मचा और भाजपा के सभी नेताओं ने इसकी कसमें खाई वह मई के महीने में पहले से ज्यादा गंदी हो गई है। सोचें, जिस दिन दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी और रेखा गुप्ता मुख्यमंत्री बनीं उसके अगले दिन में यमुना नदी में कोई न कोई मशीन चलती हुई दिखती थी। सोशल मीडिया में चारों तरफ शेयर किया जाता था कि यमुना की सफाई का काम शुरू हो गया और अब यमुना ऐसी हो जाएगी, जैसी पहले कभी नहीं रही होगी। दस साल सत्ता में रही आम आदमी पार्टी भी इसे लेकर बैकफुट पर थी। लेकिन अब खबर आ रही कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि मई के महीने में यमुना के पानी में मल की मात्रा बढ़ गई है और साथ ही अमोनिया और फॉस्फेट की मात्रा भी बढ़ गई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक महारानी बाग, शाहदरा और नजफगढ़ जैसे बड़े नालों में भी गंदगी बढ़ गई है। ये गंदे नाले सीधे यमुना नदी में गिरते हैं। इतना ही नहीं यह भी कहा जा रहा है कि हरियाणा से ही यमुना का पानी गंदा आ रहा है। सोचें, हरियाणा में करीब 11 साल से भाजपा की सरकार है। तीसरी बार वह जीती है वहां से यमुना गंदी हो रही है।

जो जाहिर है, उसे बताने की मुहिम!

सरकार के पास अगर ठोस सूचना और साक्ष्य (संचार संबंधी, आदि) हैं, तो और प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तानी हाथ के सबूत के साथ जा रहे हैं, तो इनका जरूर असर होगा। प्रतिनिधिमंडल ठोस साक्ष्यों को संबंधित संदर्भ के साथ वहां रखते हैं, तो भारतीय कूटनीति की ये पहल कारगर साबित होगी। लेकिन इस सिलसिले में यह अवश्य ध्यान में रखना चाहिए कि ऐसी अंतरराष्ट्रीय एवं कूटनीतिक पहल में "परिस्थितिजन्य साक्ष्य" पर्याप्त नहीं होते। सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों को 30 से ज्यादा देशों में भेजने का फैसला क्या सरकारी स्तर पर परोक्ष रूप से इस बात की स्वीकृति है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत दुनिया में अलग-थलग पड़ गया? क्या ऐसा भारत की कूटनीतिक विफलता के कारण हुआ? अगर ऐसा है, तो फिर सवाल उठेगा क्या सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों के जरिए आतंकवाद से संघर्ष पर भारत की राजनीतिक आम-सहमति को विदेशी राजधानियों में जाकर जताने से उस नाकामी की भरपाई की जा सकेगी? जिन देशों में ये दल जाएंगे, वहां भारत के दूतावास/उच्चायोग मौजूद हैं, जिनसे अपेक्षा रहती है कि वे लगातार सभी हित-धारकों (stake-holders) से संपर्क में रहें और महत्त्वपूर्ण मामलों में देश का पक्ष बताते रहें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बारे में आम धारणा है कि उन्होंने भारतीय कूटनीति को पहले के किसी मौके की तुलना में अधिक सक्रियता प्रदान कर रखी है और इससे विदेश में भारत का रुतबा बढ़ा है। कथानक यह है कि भारत की बढ़ती आर्थिक हैसियत के साथ-साथ देश की आवाज भी अधिक प्रभावशाली बनी है, नतीजतन दुनिया में आज उसे जितनी अहमियत मिलती है, उतना पहले कभी नहीं था। यह साफ है ये बातें संकट के वक्त पर काम नहीं आईं। तो फिर प्रतिनिधिमंडलों का कुछ दिन का दौरा क्या हासिल कर सकेगा, इस सवाल पर गंभीर विचार-विमर्श जरूरी हो जाता है। गौरतलब है कि अनेक मीडिया सुर्खियों में इस पहल को भारत का 'विशाल कूटनीतिक आक्रामण' बताया गया है। वैसे, दुनिया को अपना पक्ष बताया जाए या अब अधिक संगठित ढंग से बताया जाए, यह सोच अपने-आप में सटीक है। इसे सही रणनीति कहा जाएगा। यह अनुमान भी लगाया जा सकता है कि अगर प्रतिनिधिमंडल पूरी तैयारी, ठोस साक्ष्य, एवं अकाट्य तर्कों के साथ विदेशी राजधानियों में जाएंगे, तो उसका असर वहां दिखेगा। कुछ उसी तरह जैसे 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आतंकवादी हमलों के बाद भारत के प्रयासों का दिखा था। तब तत्कालीन यूपीए सरकार ने मेहनत से जुटाए साक्ष्यों को उचित संदर्भ में पेश करते हुए पाकिस्तान को विश्व जनमत के कठघरे में खड़ा किया था। परिणाम पाकिस्तान के अलग-थलग पड़ने और उसे अंतरराष्ट्रीय निगरानी सूचियों में डाले जाने के रूप में सामने आया। तब, मुंबई पर हमला करने आए नौ आतंकवादियों को मुंबई पुलिस ने मार गिराया था अजमल कसाब नाम का आतंकवादी जिंदा पकड़ा गया, जिसे बाद में न्यायिक प्रक्रिया के तहत फांसी दी गई। इन आतंकवादियों और भारत में हुई घुसपैठ के बारे में तब जांचकर्ताओं ने ठोस सबूत इकट्ठे किए। उनसे उस हमले में लश्कर-ए-तैयबा की भूमिका और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के हाथ के साक्ष्य सामने आए। उसी क्रम में हमले के षडयंत्रकारियों डेविड हेडली और तहव्वुर राणा की भूमिका के प्रमाण जुटाए गए। वे साक्ष्य अमेरिकी अदालत में भी अकाट्य साबित हुए और उसी कारण हाल ही में राणा को भारत लाया जा सका है। इसलिए यह सवाल अहम है कि पहलगाम हमले के बारे में किस तरह के सबूत अभी तक भारतीय जांच एजेंसियों ने जुटाए हैं। अभी तक की खबरों के मुताबिक हमला करने वाले आतंकवादियों को पकड़ा नहीं जा सका है। ऑपरेशन सिंदूर में बहावलपुर और मुरीदके समेत अन्य स्थलों पर मारे गए लोगों का संबंध भले आतंकवाद से हो, मगर पहलगाम हमले को अंजाम देने में वे शामिल थे या नहीं, इस बारे में भी कोई सार्वजनिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। बहरहाल, सरकार के पास अगर ठोस सूचना और साक्ष्य (संचार संबंधी, आदि) हैं, तो और प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तानी हाथ के सबूत के साथ जा रहे हैं, तो इनका जरूर असर होगा। प्रतिनिधिमंडल ठोस साक्ष्यों को संबंधित संदर्भ के साथ वहां रखते हैं, तो भारतीय कूटनीति की ये पहल कारगर साबित होगी। लेकिन इस सिलसिले में यह अवश्य ध्यान में रखना

चाहिए कि ऐसी अंतरराष्ट्रीय एवं कूटनीतिक पहल में "परिस्थितिजन्य साक्ष्य" पर्याप्त नहीं होते। चूंकि प्रतिनिधिमंडलों में अनुभवी कूटनीतिज्ञ भी शामिल किए गए हैं, तो ये उम्मीद की जानी चाहिए कि ये दल पूरे होमवर्क के साथ अपनी बात वहां रखेंगे। भारत के सामने चुनौती दुनिया को यह बताने की है कि चूंकि पाकिस्तान भारत केंद्रित आतंकवाद को संरक्षण एवं बढ़ावा देने में लगातार जुटा हुआ है, इसलिए आतंकवादी ठिकानों को खुद नष्ट करने के अलावा हमारे पास कोई और विकल्प नहीं था/ है। इसलिए भारत ने 6-7 मई की रात पाकिस्तान के वायु क्षेत्र का उल्लंघन कर मिसाइलें और ड्रोन दागे। वैसे भारत 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 में ऑपरेशन बंदर (बालाकोट पर हमले) के दौरान भी पाकिस्तानी इलाके में जाकर हमले कर चुका था। इसलिए इस बार कोई नया उल्लंघन नहीं हुआ। हां, इस बार ये ज्यादा बड़े पैमाने पर हुआ। वैसे भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे न्यू नॉर्मल यानी अब भारत की आम नीति के बतौर घोषित कर दिया है। मतलब साफ है। भारत ने "आतंकवाद" का मुकाबला करने के मामले में अमेरिकी और इजराइली पैटर्न को अपना लिया है। अमेरिका अपनी महाशक्ति की हैसियत और उसके संरक्षण की वजह से इजराइल इस पैटर्न पर दशकों से अमल कर रहे हैं। भारत के सामने चुनौती दुनिया से अपने इस पैटर्न को जायज ठहराने की है। लेकिन इस सिलसिले में भू-राजनीति और शक्ति संतुलन का प्रश्न महत्त्वपूर्ण हो जाता है। पाकिस्तान आतंकवाद का अड्डा है, यह कोई नई सूचना नहीं है। दुनिया इस तथ्य से परिचित है कि गुजरे तीन-चार दशकों में दुनिया भर में हुए बहुत से आतंकवादी हमलों की साजिश पाकिस्तान में रची गई या पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों ने उन्हें अंजाम दिया। भारत के खिलाफ पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजेंसियों ने नीतिगत रूप से आतंकवाद को प्रश्रय दिया है, जिसमें अक्सर वहां की सरकारों की सहमति भी रही है। यह जानकारी भी तमाम देशों के पास मौजूद है। इसके बावजूद अफसोसनाक सूरत यह है कि विश्व के शक्तिशाली देश पाकिस्तान को हर तरह की मदद देते रहे हैं। उनमें चीन और अमेरिका उसे आधुनिक हथियार भी देते रहे हैं। हाल के वर्षों में हथियार और एक हद तक कूटनीतिक समर्थन देने देने वाले देशों में रूस भी शामिल हो गया है। अमेरिका की जो भी नीति हो, उसमें बाकी पश्चिमी देशों का सहज समर्थन रहता है। बदले विश्व समीकरणों के बीच पाकिस्तान और चीन के बीच सैन्य अंतर्संबंध और सहयोग तेजी से बढ़े हैं। उधर अपनी रणनीतिक जरूरतों के तहत पाकिस्तान के अमेरिका से सामरिक रिश्ते आज भी बने हुए हैं। इन समीकरणों का ही परिणाम है कि पहलगाम हमले के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पारित प्रस्ताव में पाकिस्तान या लश्कर-ए-तैयबा के नाम का उल्लेख नहीं हुआ। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान के लिए ऋण की अगली किस्त जारी की, जो बिना अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के समर्थन के नहीं हो सकता था। पहलगाम हमले से ऑपरेशन सिंदूर के बीच की अवधि में तमाम शक्तिशाली देश भारत और पाकिस्तान को एक पलड़े पर रख कर तनाव घटाने के लिए कहते रहे।

इसके बावजूद भारत ने सैन्य कार्रवाई की, तो तीन दिन के अंदर अमेरिका ने इसे रोकने के लिए दबाव बना दिया। (वैसे भारत ने अमेरिकी भूमिका का खंडन किया है।) इस बीच चीन और तुर्किये जैसे देशों का खुला समर्थन पाकिस्तान के पक्ष में रहा, जबकि रूस तटस्थ बना रहा। उधर खाड़ी के धनी देश मध्यस्थता करने की कोशिश में जुटे रहे, ताकि लड़ाई सीमित रहे। इसलिए यह अहम मुद्दा है कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भारत का पक्ष मजबूती से रखने में कामयाब भी रहे, तो भू-राजनीतिक पहलुओं को कैसे प्रभावित किया जा सकेगा? अतः यह गंभीर आत्म-मंथन का विषय है कि नई बनते भू-राजनीतिक समीकरणों के बीच भारत क्यों अलग पड़ा दिख रहा है? यहां तक कि विकासशील दुनिया में, जिसे आज ग्लोबल साउथ कहा जाता है- भारत के लिए उस तरह का समर्थन और सहानुभूति क्यों नहीं देखने को मिली, जिसे अतीत में सुनिश्चित मान कर चला जाता था? क्यों? अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के अकेला पड़ने के संभवतः कई पहलू हैः पास-पड़ोस में नरेंद्र मोदी सरकार की लाल आंख दिखाने वाली 'मर्दाना विदेश नीति' संभवतः भारत को भारी पड़ी है। इससे पास-पड़ोस के देश भारत से छिटके हैं मोदी सरकार ने नेबरबुड फर्स्ट यानी पड़ोसी देशों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की नीति जरूर घोषित की, मगर हमेशा उसका ध्यान पश्चिमी धुरी से अधिक गहराई से जुड़ने पर टिका रहा। अमेरिका सहित तमाम पश्चिमी देशों की नीति हमेशा ही zero sum game की रही है। यानी किसी को लाभ किसी के नुकसान की कीमत पर ही हो सकता है। ऐसे में किसी देश का उदय हो, तो वे मानते हैं कि ऐसा उनके नुकसान की कीमत पर है। चूंकि इस सदी की कहानी चीन का अभूतपूर्व उदय है, ऐसे में चीन को घेरना उनका प्राथमिक लक्ष्य बना हुआ है। ऐसे में स्वाभाविक है, भारत के उनकी धुरी से जुड़ने का प्रतिकूल असर चीन से संबंधों पर पड़ा। इससे रूस से संबंध भी प्रभावित हुए, जो चीन के साथ अपने संबंध को 'असीमित दोस्ती' के स्तर पर ले गया है। जिस समय ब्रिक्स डॉलर के वर्चस्व से मुक्त होकर आपसी व्यापार में भुगतान की अपनी व्यवस्था बनाने में जुटा, भारत ने इस मकसद से असहमति जताई। ये धारणा भी बनी कि भारत इस मंच के विस्तार में सहयोग नहीं कर रहा है। इस कारण ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों पर भारत के रुख के बारे में बने संशय पैदा हुए। फरवरी 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से वैश्विक भू-राजनीति में तीव्र परिवर्तन हुए हैं। इस मौके पर पश्चिमी देशों की स्वाभाविक अपेक्षा थी कि रूस को अलग-थलग करने में भारत उनके साथ रहेगा। लेकिन भारत ने बीच का रास्ता अपनाया। यह बात अमेरिका को कितनी नागवार गुजरी, इसका अंदाजा इससे लग जाता है कि तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने तब भारत को प्रमुख 'स्विंग देशों' में एक कह डाला था। इससे पश्चिमी देशों में ये चर्चा चली कि भारत की दिलचस्पी दोनों खेमों में कदम रख कर लाभ उठाने की है। यानी उसके समर्थन को सुनिश्चित नहीं माना जा सकता। वैश्विक स्थिति में परिवर्तन की गति को तेज करने वाली दूसरी घटना इजराइल पर सात अक्टूबर 2023 को हमास का हमला रहा, जिसके बाद इजराइल ने गजा में आधुनिक दौर का सबसे वीभत्स और क्रूर मानव संहार शुरू कर दिया। ग्लोबल साउथ में इसको लेकर तीखी प्रतिक्रिया हुई। ऐसे में भारत सरकार की इजराइल के प्रति कथित हमदर्दी के कारण ग्लोबल साउथ में भारत के बारे में भी प्रतिकूल धारणाएं बनी हैं। भारत की घरेलू राजनीति ने भी देश की अंतरराष्ट्रीय छवि को प्रभावित किया है। लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता के मानदंडों की देश में खुली अवहेलना ने भारत के सॉफ्ट पॉवर को कमजोर करने में अहम भूमिका निभाई है। गुजरे वर्षों में पश्चिमी देशों में यह धारणा गहराई है कि भारत की सत्ताधारी पार्टी का इकॉ-सिस्टम अपनी 'हिंदुत्व' की विचारधारा का वहां भी निर्यात कर रहा है। ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, और अमेरिका में इस वजह से कई बार हुए सामुदायिक टकराव ने भारत की छवि को प्रभावित किया है। इसी पृष्ठभूमि 2023 के मध्य में कनाडा ने अपने नागरिक और खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा की जमीन पर हत्या कराने का आरोप भारत पर लगा दिया। इसके कुछ महीनों बाद अमेरिका ने एक अन्य खालिस्तानी उग्रवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश का आरोप भारतीय एजेंसियों को मढ़ा।

भाजपा को हर प्रदेश में समस्या है!

भारतीय जनता पार्टी का संगठन चुनाव रूका हुआ है। इस बार पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और उसके बाद भारतीय सेना की कार्रवाई यानी ऑपरेशन सिंदूर की वजह से रूका है। इससे पहले पता नहीं किस कारण से रूका था लेकिन उससे पहले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की वजह से रूका था और उससे पहले लोकसभा चुनाव की वजह से रूका था। अभी तक देश के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से सिर्फ 14 राज्यों में भाजपा का चुनाव हुआ है और प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त हुए हैं। बाकी राज्यों में क्यों चुनाव नहीं हो रहे हैं, इस पर आधिकारिक रूप से कोई कुछ नहीं कह रहा है। लेकिन माना जा रहा है कि हर राज्य में कुछ न कुछ समस्या है, जिसकी वजह से फैसला नहीं हो पा रहा है। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में अध्यक्ष का फैसला नहीं हो पा रहा है। अध्यक्ष का फैसला नहीं होने की वजह से सरकार में फेरबदल की रूकी है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व यानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह में सहमति नहीं बन पा रही

है। इस बात पर भी सहमति नहीं बन पा रही है कि जाट समुदाय के भूपेंद्र चौधरी की जगह ब्राह्मण अध्यक्ष बनाया जाए या पिछड़ा अध्यक्ष हो। कई ब्राह्मण और पिछड़ा नेताओं के नाम की चर्चा चल रही है। इसी तरह की समस्या झारखंड में है, जहां बाबूलाल मरांडी अध्यक्ष भी हैं और विधायक दल के नेता भी। अब किसी गैर आदिवासी को प्रदेश अध्यक्ष बनाना है लेकिन गैर आदिवासी में सवर्ण हो या पिछड़ा या दलित इसका फैसला नहीं हो पा रहा है। सवर्ण समाज के रविंद्र राय कार्यकारी अध्यक्ष हैं। वे पूर्णकालिक बनने के लिए जोर लगा रहे हैं। तेलंगाना में जी किशन रेड्डी प्रदेश अध्यक्ष हैं और वे केंद्र में मंत्री भी हैं। कहा जा रहा है कि भाजपा वहां किसी कट्टर हिंदू राजनीति करने वाले चेहरे को प्रदेश की कमान सौंपना चाहती है। लेकिन इसके साथ ही सामाजिक समीकरण साधने की चिंता भी है। बंदी संजय कुमार के बाद जी किशन रेड्डी अध्यक्ष बने थे। के चंद्रशेखर राव की पार्टी से आए नेता भी दावेदार बताए जा रहे हैं तो पार्टी के पुराने चेहरे को आगे करने की दुविधा भी है। इसी तरह पश्चिम बंगाल में पार्टी संगठन के भीतर विवाद बहुत बढ़ गया है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पार्टी के सांसद दिलीप घोष पूरी तरह से खुल कर विधायक दल के नेता सुवेंदु अधिकारी के खिलाफ आ गए हैं। उनका कहना है कि बाहर से आए नेताओं की वजह से पार्टी को नुकसान हो रहा है। हालांकि पार्टी फिर से दिलीप घोष को अध्यक्ष नहीं बनाएगी। तभी यह चर्चा हो रही है कि मौजूदा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार को ही बनाए रखा जा सकता है। लेकिन क्या तब उनको केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा देना होगा? इस वजह से बंगाल का फैसला अटका है। मोदी और शाह के गृह प्रदेश गुजरात में भी प्रदेश अध्यक्ष का फैसला रूका हुआ है। सीआर पाटिल केंद्र में मंत्री हैं और प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। वे सख्त और अनुशासन वाले नेता माने जाते हैं, जो अपने हिसाब से काम करते हैं। जीतू वघानी की जगह उनको अध्यक्ष बनाया गया था। चूंकि भूपेंद्र पटेल मुख्यमंत्री तभी सीआर पाटिल के केंद्र में मंत्री बनाए जाने के सम से ही इस बात की चर्चा है कि किसी अन्य पिछड़े या वैश्य को कमान दी जा सकती है। महाराष्ट्र में भी किसी नाम पर सहमति नहीं बन पाने की वजह से नियुक्ति रूकी है और चंद्रशेखर बावनकुले राज्य सरकार में मंत्री और प्रदेश अध्यक्ष दोनों जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

पूर्वोत्तर के लिए प्रधानमंत्री का ग्रैंड विजन!

प्रधानमंत्री ने राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट में एक और बहुत खास बात कही। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत को सर्वाधिक विविधता वाला देश मानती है। उसमें भी हमारा पूर्वोत्तर भारत का सर्वाधिक विविधता वाला क्षेत्र है। यह विविधता भारत की और पूर्वोत्तर की शक्ति है। यह अब सिर्फ पूर्व और दक्षिण पूर्व के देशों के साथ भारत का गेटवे नहीं है, बल्कि विकास और संभावनाओं का क्षेत्र बन गया है, जो भारत के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाएगा। राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट, 2025 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूर्वोत्तर के विकास के ग्रैंड विजन को प्रतीकित करने वाला आयोजन था। अब तक देश के अलग अलग हिस्सों में निवेशकों के सम्मेलन होते थे, जहां कारोबार की संभावनाएं बेहतर होती थीं, जहां पहले से बुनियादी ढांचा विकसित रहता था, जहां कनेक्टिविटी बेहतर होती थी वहां निवेशक ज्यादा पैसा निवेश करते थे। पहली बार ऐसा हुआ कि उत्तर पूर्व में बुनियादी ढांचे के विकास पर इतना जोर दिया जा रहा है, उसे विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की कोशिश हो रही है और निवेशकों का सम्मेलन हुआ, जिसमें एक दिन में एक लाख करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव आ गया। तभी जब प्रधानमंत्री ने शुक्रवार, 23 मई को नई दिल्ली के भारत मंडपम में कहा कि भारत का अपना पहला स्वदेशी सेमीकंडक्टर उत्तर पूर्व देगा तो यह सिर्फ उत्तर पूर्व के आठ राज्यों के लिए नहीं, बल्कि समूचे हिंदुस्तान के लिए गर्व की बात थी। पहले की सरकारों ने जिस क्षेत्र की अनदेखी की। उसे अपने हाल पर छोड़े रखा। वहां चरमपंथ और अलगाव की भावना को दूर करके सशस्त्र संघर्ष खत्म कराने का कोई गंभीर प्रयास नहीं किया वहां से भारत का अपना पहला स्वदेशी सेमीकंडक्टर बनेगा। यह घोषणा अपने आप में पिछले 11 साल में उत्तर पूर्व में हुए बदलाव की कहानी बयान करती है। आज उत्तर पूर्व के राज्यों में शांति हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यों के बीच सीमा विवादों का निपटारा करने के लिए और सशस्त्र संघर्ष में शामिल समूहों के साथ अनेक समझौते कराए। स्थायी शांति बहाली के साथ ही पूरे क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास की गति तेज हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निवेशकों के सम्मेलन में बताया कि पूर्वोत्तर के राज्यों में 11 हजार किलोमीटर हाईवे का निर्माण हुआ है

और इसी अनुपात में रेल लाइनों का विस्तार किया गया है। केंद्र सरकार के सहयोग से पूरे उत्तर पूर्व में सड़क और रेल परिवहन में व्यापक सुधार हुआ और कनेक्टिविटी बढ़ी। बुनियादी ढांचे के विकास, खास कर कनेक्टिविटी बढ़ने की वजह से पूर्वोत्तर में विकास और निवेश की संभावनाएं बढ़ीं। पिछले साल अगस्त में टाटा समूह ने असम में 27 हजार करोड़ रुपए के निवेश से सेमीकंडक्टर की फैक्टरी का ऐलान किया, जहां से भारत का पहला अपना स्वदेशी सेमीकंडक्टर बनेगा। इसके साथ ही सेमीकंडक्टर के साथ साथ इस पूरे सेक्टर और नई तकनीक के लिए पूर्वोत्तर का दरवाजा खुल जाएगा। प्रधानमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार पनबिजली और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में बड़ा निवेश कर रही है। यह भी उनके ग्रैंड विजन को बताने वाला है। ध्यान रहे किसी भी राज्य क्षेत्र में सड़क व रेल कनेक्टिविटी के साथ साथ ऊर्जा और लॉजिस्टिक्स का नेटवर्क हो तो उसे विकसित होने से कोई नहीं रोक सकता है। केंद्र सरकार ने इन सभी क्षेत्रों में पूर्वोत्तर में निवेश को प्राथमिकता दी। इस वजह से अब पूर्वोत्तर के राज्य विकास की नई छलांग लगाने को तैयार हैं। प्रधानमंत्री ने राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट में एक और बहुत खास बात कही। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत को सर्वाधिक विविधता वाला देश मानती है। उसमें भी हमारा पूर्वोत्तर भारत का सर्वाधिक विविधता वाला क्षेत्र है। यह विविधता भारत की और पूर्वोत्तर की शक्ति है। यह अब सिर्फ पूर्व और दक्षिण पूर्व के देशों के साथ भारत का गेटवे नहीं है, बल्कि विकास और संभावनाओं का क्षेत्र बन गया है, जो भारत के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाएगा। आने वाले दिनों में भारत और आसियान देशों के कारोबार में कई गुना बढ़ोतरी होगी और उसमें पूर्वोत्तर का महत्वपूर्ण योगदान होगा। निवेशकों के सम्मेलन में पूर्वोत्तर के सभी राज्यों- अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के मुख्यमंत्रियों ने हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका उद्घाटन किया और देश के तमाम शीर्ष उद्योगपति इसमें शामिल हुए। डिपार्टमेंट ऑफ नॉर्थ ईस्ट रीजन ने इस निवेशक सम्मेलन का आयोजन किया। देश के शीर्ष उद्योगपतियों ने पूर्वोत्तर में एक लाख करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने ऊर्जा और सेमीकंडक्टर दोनों सेक्टर में पूर्वोत्तर को हब बनाने का ऐलान किया। इसके साथ साथ पर्यटन, कृषि खास कर जैविक कृषि, खाद्य प्रसंस्करण आदि के सेक्टर में बड़े विकास की संभावनाओं को रेखांकित किया गया। देश के तीन शीर्ष उद्योग समूहों ने एक लाख करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव दिया, जिससे नए रोजगार के अवसर बनेंगे और विकास की नई इबारत लिखी जाएगी। ध्यान रहे केंद्र सरकार के निवेश और पूर्वोत्तर के राज्यों को मुख्यधारा में शामिल करने की नीतियों के कारण निजी सेक्टर के निवेश में बढ़ोतरी हुई है और अब उम्मीद की जा रही है कि आने वाले दिनों में वैश्विक निवेश में भी बढ़ोतरी होगी। अलग अलग सेक्टर में दुनिया भर के निवेशक पूर्वोत्तर में निवेश के लिए आकर्षित होंगे। प्रधानमंत्री अगले सप्ताह पूर्वोत्तर के दौरे पर भी जाएंगे। यह ऐतिहासिक दौरा होगा। प्रधानमंत्री 29 मई को सिक्किम के दौरे पर जाएंगे। सिक्किम भारत का 22वां राज्य बनने की स्वर्ण जयंती मना रहा है। ठीक 50 साल पहले सिक्किम भारत का 22वां राज्य बना था। 2019 में राज्य में प्रेम सिंह तमांग (गोले) के नेतृत्व में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा की सरकार बनमे के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिक्किम के दौरे पर जा रहे हैं। यह भी पूर्वोत्तर के राज्यों के विकास और पिछली सरकारों के समय बिल्कुल उपेक्षित छोड़ दिए गए क्षेत्र के विकास और मुख्यधारा में उनको शामिल करने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को दिखाता है। सिक्किम के जनप्रिय मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने मंगलवार, 20 मई को प्रधानमंत्री से मुलाकात की और उन्होंने सिक्किम के स्वर्ण जयंती समारोह का हिस्सा बनने का निमंत्रण दिया, जिसे प्रधानमंत्री ने स्वीकार कर लिया। मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की है और सभी ने सिक्किम के 50वें राज्यत्व के समारोह में सम्मिलित होने की सहमति दी है। केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण, कृषि व किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान और ऊर्जा व शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर भी सिक्किम के राज्यत्व के समारोह में शामिल होने पर सहमत हुए हैं। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद सिक्किम के लोकप्रिय मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर स्वंय उनके सिक्किम के दौरे की जानकारी दी थी और लिखा था "सिक्किम के राज्यत्व की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में चल रहे शानदार समारोहों के हिस्से के रूप में, मुझे आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से मुलाकात करने का विशिष्ट सम्मान प्राप्त हुआ"। उन्होंने आगे लिखा, "सिक्किम के लोगों की ओर से मुझे वर्ष भर चलने वाले राज्य दिवस समारोह में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री को औपचारिक निमंत्रण देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि उन्होंने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है और 29 मई 2025 को हमारे साथ इस ऐतिहासिक मील के पत्थर को मनाने के लिए हमारे खूबसूरत हिमालयी राज्य की यात्रा करने की इच्छा व्यक्त की है"। मुख्यमंत्री ने इस मुलाकात में ऑपरेशन सिंदूर सफलता पर प्रधानमंत्री को बधाई दी। उन्होंने कहा, "इस मिशन के सफल क्रियान्वयन से राष्ट्रीय गौरव को काफी बढ़ावा मिला है तथा वैश्विक मंच पर भारत की ताकत और संकल्प की पुष्टि हुई है"। मुख्यमंत्री ने लिखा, "आइए हम सब मिल कर अपने प्रिय प्रधानमंत्री का हमारे राज्य सिक्किम में भव्य स्वागत करें। उस दिन प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए लगभग एक लाख लोग पालजोर स्टेडियम में मौजूद रहेंगे"।

फिल्म फूले के प्रदर्शन सहित कई मुद्दों पर की महत्वपूर्ण चर्चा

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

डा आम्बेडकर अनुसूचित जाति अधिकारी कर्मचारी एसोसिएशन (अजाक) राजस्थान की जिला शाखा जोधपुर की कार्यकारिणी बैठक मसूरिया जोधपुर स्थित अजाक जोधपुर के स्थानीय शाखा कार्यालय में हुई। जिलाध्यक्ष भंवरलाल बुगालिया की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अजाक राजस्थान के उपाध्यक्ष बसन्त रोयल प्रदेश प्रतिनिधि के रूप में शामिल हुए। बैठक की विस्तृत जानकारी देते हुए जिला महासचिव डॉ राजेन्द्र बंशीवाल ने बताया कि इस दौरान निम्न कार्य/गतिविधियां सम्पन्न हुई...

अजाक जोधपुर की सदस्यता सूची को पूर्ण कर जयपुर भिजवा दिया गया ताकि आगामी 3 जून को प्रस्तावित प्रदेश कार्यकारिणी के चुनाव हेतु मतदाता सूची का कार्य पूर्ण हो सके।

जिला प्रवक्ता देवीलाल चौहान प्रबंधक,SBI के पदोन्नति होकर मुख्य प्रबंधक के पद पर कार्यग्रहण करने पर अजाक द्वारा नागरिक अभिनंदन किया गया। साथ ही अजाक परिवार के युवा कार्यकर्ता कपिल सिरोहीवाल के नर्सिंग ऑफिसर के पद पर नियुक्ति एवं कार्यग्रहण पर उनका भी नागरिक अभिनंदन किया गया।

बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने जिले में वर्तमान में जारी सदस्यता अभियान की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। इसे अनवरत जारी रखने का निर्णय लिया गया।

फिल्म फूले के जोधपुर में सिनेमा हाल में प्रदर्शन करवाने हेतु प्रयास करने का सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया। इस हेतु सिनेमा हाल मालिकों एवं अन्य सम्बंधित कार्मिकों से अजाक प्रतिनिधिमंडल के मिलने का कार्यक्रम चलाने का निर्णय किया गया।

बैठक के बाद आज से ही चर्चा करने का कार्य प्रारंभ किया गया। अजाक प्रतिनिधिमंडल ने आज शाम को कोहिनूर सिनेमा हाल के मालिक नूर मोहम्मद से मुलाकात की। अन्य सिनेमा हाल मालिकों एवं सम्बंधित लोगों से भी चर्चा की जाएगी।

बैठक में जिलाध्यक्ष भंवरलाल बुगालिया के साथ प्रदेश उपाध्यक्ष बसन्त रोयल, जिला महासचिव डॉ राजेन्द्र बंशीवाल, प्रवक्ता देवीलाल चौहान, कोषाध्यक्ष भगवानराम बारूपाल, सहकोषाध्यक्ष श्रवण बाणियां, सचिव देवीलाल धान्दव, कमला भंवर बौद्ध, श्यामलाल सिरोहीवाल, ललित कुमार, कपिल कुमार, निर्मल कुमार सहित कई पदाधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में जिला प्रवक्ता देवीलाल चौहान ने सभी साथियों को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया।

पत्रकार डांगी की बेटी ने किया स्कूल टॉप

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

बिलिया कलां के पत्रकार अनिल डांगी की बेटी अर्चना डांगी ने बिलिया कलां के निजी स्कूल डी एन पब्लिक स्कूल में टॉप किया जी में पूरे परिवार में खुशी की लहर पत्रकार डांगी ने बताया बेटी अपने पढ़ाई के समय को खराब नहीं करती हे और घर पर डेली स्कूल टाइम के अलावा भी पढ़ाई पर पूरा फोकस करती हे और छोटे भाई बहिनों को पढ़ाई करवाती हे इस में परिवार के ओर गांव के सभी मित्रो ने बधाइयां ओर शुभकामनाएं दी अर्चना के दादा जी ने हमेशा पौत्री की पढ़ाई के लिए हमेशा तैयार रहे ओर भविष्य के लिए तैयारी में जुटे रहते हे

नया रोड बना मुसीबत, स्थानीय लोग परेशान

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

राजेन्द्र खटीक शाहपुरा!शाहपुरा के गांधी पुरी क्षेत्र में नया बनने जा रहा है रोड इन दिनों लोगों के लिए सुविधा की बजाय मुसीबत बन गया है। स्थानीय निवासियों ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 10-15 दिनों से सड़क को दो-दो फीट तक खोद कर छोड़ दिया गया है, जिससे आवाजाही में भारी दिक्कतें हो रही हैं।

रह वासियों ने चिंता जताते हुए कहा कि यदि कोई बड़ा हादसा हो जाता है, तो एंबुलेंस तक पहुंचना मुश्किल हो जाएगा। क्षेत्र में बुजुर्ग, बच्चे और बीमार लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से अपील की है कि जल्द से जल्द इस काम को पुरा किया जाए, ताकि जनजीवन सामान्य हो सके और किसी अनहोनी से बचा जा सके।

महाराणा प्रताप जयंती 31 मई पर होगा सिंदूर स्वाभिमान अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाड़ा। (पंकज पोरवाल) भारत विकास परिषद महाराणा प्रताप शाखा द्वारा 31 मई शनिवार को रात्रि 8 बजे से स्थानीय आजाद चौक में ष्सिंदूर स्वाभिमान कवि सम्मेलनष् का आयोजन किया जाएगा। प्रताप शाखा के मीडिया प्रभारी जितेन्द्र बांठिया के अनुसार, प्रतिवर्ष की भाँति महाराणा प्रताप जयन्ती के अवसर पर इस वर्ष भी विराट अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। स्थानीय आजाद चौक में 31 मई शनिवार रात्रि 8.30 बजे से आयोजित होने वाला यह कवि सम्मेलन इस बार देश की रक्षा के लिए प्राणों की बाजी लगाने वाले हमारे देश के जवानों को समर्पित होगा। कार्यक्रम के संयोजक ओजस्वी कवि योगेन्द्र शर्मा ने बताया कि भीलवाड़ा में यह पहला कवि सम्मेलन होगा, जिसमें सैनिक वीरों को सम्मान देने के लिए पेरा मिलिट्री से सेवानिवृत्त कमांडो समोदसिंह चरौरा को उत्तरप्रदेश से आमंत्रित किया गया है, जो प्रथम कवि के तौर पर कवि सम्मेलन की शुरुआत करेंगे। इनके अतिरिक्त केकड़ी से बुद्धिप्रकाश दाधीच, लखनऊ से वेदव्रत वाजपेयी, मुंबई से महेश दुबे, दिल्ली से प्रियंका राय, रिषभदेव से बलवन्त बल्लू और कोटा से डॉ आदित्य जैन जैसे स्वनामधन्य ख्यातनाम कवियों को भी काव्यपाठ हेतु आमंत्रित किया गया है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये अध्यक्ष पी.एन. मिश्रा, सचिव सतीश बोहरा, कोषाध्यक्ष हरिप्रसाद राठी सहित कार्यकारिणी के सभी सदस्य तैयारियों में जुटे हुये है।

वॉलीबॉल शूटिंग प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ, 10 टीमें ले रही भाग

सांवलिया सेठ मंदिर, नौगांवा में अमावस्या पर उमड़ी भक्तों की भीड़, भव्य मेले का किया आयोजन

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाड़ा। श्री सांवलिया सेठ मंदिर समिति, नौगांवा की ओर से माधव गोशाला स्थित सांवरिया सेठ मंदिर में अमावस्या के पावन अवसर पर एक भव्य मेले का आयोजन किया गया। इस मौके पर सैकड़ो की संख्या में भक्तों ने पहुंचकर भगवान सांवलिया सेठ के दर्शन किए और पुण्य लाभ कमाया। मेले का शुभारंभ पंडित रमाकांत आचार्य और पंडित प्रेम किशन शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया। उन्होंने ठाकुर जी का दूध से अभिषेक कराया, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। मुख्य यजमान के रूप में अशोक गिरिराज काबरा ने भगवान को दूध से स्नान कराने का सौभाग्य प्राप्त किया। पंडित दीपक और आनंद पाराशर ने विशेष रूप से तैयार की गई चांदी की पोशाक भगवान को धारण कराई, जिससे ठाकुर जी का मनमोहक रूप और भी दिव्य हो उठा। इस अवसर पर मठड़ी का प्रसाद भक्तों में वितरित किया गया। मेले में पुर, गाडरमाला और बापूनगर सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पदयात्री भगवान के दर्शनों के लिए पहुंचे। भगवान को छप्पन भोग लगाकर विशेष पूजा-अर्चना की गई, जिसके बाद प्रसाद वितरण किया गया। मंदिर समिति के महामंत्री कैलाश डाड और कोषाध्यक्ष चंद्रप्रकाश आगाल ने बताया कि मेले को सफल बनाने में भंवर लाल दरगड, बाल चंद्र काबरा, रामचंद्र कुमावत और भैरू सिंह का विशेष सहयोग रहा। भक्तों ने उत्साहपूर्वक गायों की परिक्रमा भी की और उन्हें लापसी खिलाकर अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

अक्षय सेवा संस्था कि गर्मी कि प्रचण्डता को देखते हुए अनूठी पहल

ओपीडी ब्लॉक में क़तार में खड़े मरीज़ों एवं परिजनों को पानी पिलाने का उठाया बिडा

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाड़ा। (पंकज पोरवाल) हर वर्ष कि भांति इस वर्ष भी अक्षय सेवा संस्था द्वारा महात्मा गांधी हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. अरुण गौड़ सर की प्रेरणा से हॉस्पिटल परिसर में जल सेवा की अनूठी पहल कि है। संस्था द्वारा प्रचंड गर्मी के चलते ओपीडी ब्लॉक में क़तार में खड़े मरीज़ों एवं परिजनों को वही पर जाकर लोटे, गिलास द्वारा पानी पिलाने का बिडा उठाया है। इस कार्य का शुभारम्भ मंगलवार को चिकित्सा अधीक्षक अरुण गौड़ सर द्वारा किया। इस दौरान डॉ वीरेंद्र, डॉ कपिल शर्मा, डॉ दिनेश बैरवा, डॉ ओंपी शर्मा भी उपस्थित थे। अक्षय सेवा संस्था के अध्यक्ष पवन नागोरी ने बताया कि संस्था द्वारा लोटे, गिलास द्वारा क़तार में खड़े रोगी एवं परिजनों को घूम घूम कर पानी पिलाया जाएगा इस कार्य के लिये संस्था द्वारा दो महिला कर्मी अनुबंध पर लिये है। यह कार्य जुलाई माह के अंत तक चलाया जाएगा। इस अवसर पर संस्था के मुख्य संरक्षक चंद्र देव आर्य, सचिव सुनील व्यास, कोषाध्यक्ष दिनेश तिवाड़ी, नर्सिंग अधीक्षक दुर्गा लाल मीणा, उप नर्सिंग अधीक्षक राज कुमार शर्मा, महिला प्रकोष्ठ कि उपाध्यक्ष अनीता चौधरी, वीना फ़िलिप, निलेश शर्मा, मनीषा बाकलीवाल मनीष भट्ट, रामजस चौधरी सहित क़ई कर्मचारी उपास्थित थे।

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाड़ा। श्रीनगर माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में महेश नवमी महोत्सव 2025 के तहत आरकेआरसी व्यास नगर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा द्वारा प्रायोजित वॉलीबॉल शूटिंग प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ महेश स्पोटस एकेडमी मे किया गया। वॉलीबॉल शूटिंग प्रतियोगिता के प्रभारी रामपाल असावा ने बताया की तीन दिवसीय प्रतियोगिता मे 10 टीमे भाग ले रही है। आयोजन का आगाज राधेश्याम चेचाणी, कैलाश कोठारी, केदार जागेटिया, राधेश्याम सोमाणी, सुरेश कचोलिया, कैलाश अजमेरा, अर्चित मूंदड़ा, अंकित लखोटिया, योगेश लढ़ा, नारायण लढ़ा, दिनेश ईनाणी, राहुल गगड, पीड़ी आगीवाल, अनिल धूत, गोपाल जागेटिया की उपस्थिति में किया गया।

मिडिया प्रभारी पंकज पोरवाल ने बताया की आयोजन में अध्यक्ष नारायण लढ़ा, मंत्री कमलेश लाठी, सहित प्रभारी रूपलाल गगरानी, ओमप्रकाश सोमानी, अनूप समदानी, मुकेश बहेड़िया, प्रशांत समदानी, दिलीप कोगटा, नरेंद्र डाड का विशेष सहयोग रहा। शुभारम्भ का प्रथम मैच शास्त्री नगर वर्सेस आरकेआरसी चारभुजा तथा द्वितीय मैच पथिक नगर बी वर्सेस पुराना शहर के मध्य हुआ। इस अवसर पर राजेन्द्र पोरवाल, राधेश्याम सोमाणी, प्रह्लाद नुवाल प्रमोद डाड़, विनय माहेश्वरी, मनोज नवाल, सहित कई समाज जन मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक दयाराम दिव्य द्वारा मुद्रक वेदांत प्रभाकर, मेधा कम्प्यूटर्स एंड ऑफसेट प्रिंटर्स, ऑफिस नं. 128, वार्ड नं. 25, नंदभवन कांवाखेड़ा पार्क के पास, भीलवाड़ा 311001 (राज.) से मुद्रित एवं एस-20, प्रतापनगर, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक दयाराम दिव्य 96949 57624, 87695 58132 * PRB एक्ट के तहत ख़बरों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भीलवाड़ा होगा